स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना अन्तर्गत गठित भारतीय किसान स्वयं सहायता समूह चनरैया- अजान के सफलता की कहानी:-
= =

ग्राम पंचायत चनरैया में कुल 123 वी. पी. यल. परिवार के लोग निवास करते है । ग्राम में स्वरोजगार के साधन न होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति एवं रहन सहन बहुत ही खराब है=:= रहा है । ग्राम में रोजगार के साधन न होने के कारण लोग शहर की ओर पलायित होने लगे । ग्राम विकास अधिकारी द्वारा स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजन के सम्बन्ध में ग्राम पंचायत चनरैया की एक बैठक प्रा0 वि0 चनरैया पर बुलायी गयी । बैठक में अधिकाशतः लोग उपस्थित हुए । उपस्थित सदस्यों को ग्रा0 वि0 अधिकारी द्वारा स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना के सम्बन्ध में विस्तार से बताया गया । योजना के सम्बन्ध में जानकारी होने के उपरान्त बैठक की तिथि दि0 1-8-2005 को भारतीय किसान स्वयं सह0 समूह का गठन किया गया । जिसमें कुल सदस्यों की सं0- 10 है । समूहों की सदस्यों में से सदस्यों की सहमति से श्री रामप्रसाद अध्यक्ष एवं श्री हरिशंकर कोषाध्यक्ष हेतु चयन किया गया । गठन के उपरान्त अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद नाम से समूह का पू0 ग्रा0 बैंक लोटन में दि0 5-8-2005 को खाता सं0- 8081 खोला गया ।समूह द्वारा खोले गये खाता में सदस्यों द्वारा 30=00 प्रति माह प्रतिसदस्य द्वारा जमा किया जाता रहा । जमा की जाने वाली धनराशि में से आवश्यकतानुसार बै= कार्यवाही के माध्यम से आपस में लेन देन होता रहा । समूह द्वारा दी गयी धनराशि की अदायगी ब्याज सहित समय समय पर जमा होता रहा । दि0 28-1-2006 को पू0 ग्रा0 बैंक लोटन द्वारा प्रथम ग्रेडिंग किया गया । प्रथम ग्रेडिंग के उपरान्त अनुदान हेतु मु0रू0-10000=00 एवं सी0सी0यल0 हेतु मु0रू0- 15000=00 बैंक शाखा द्वारा उनके खाता (सी0सी0यल0) में हस्तान्तरित किया गया । इस प्रकार कुल 25000=00 से समहों के सदस्यों द्वारा छोटे- छोटे ब्यवसाय करने लगे ।आपसी तालमेल एवं सामन्जसके माध्यम से समय-समय पर अर्जित धनराशि को खाता में जमा करते रहे । बैंक शाखा द्वारा दि0 21-8-2007 को द्वितीय ग्रेडिंग किया गया । द्वितीय ग्रेडिंग हो जाने के उपरान्त समूह द्वारा चयनित रेडीमेट गारमेन्टपरिसम्पति सृजन हेतु सदस्यों की सहमति से ऋण पत्रावली तैयार कराया गया । ऋण पत्रावली तैयार हो जाने के उपरान्त दि0 2-11-2007 को पू0 ग्रा0 बैंक लोटन को ऋण पत्रावली प्रेषित किया गया समूह के ऋण पत्रावली के निस्तारण हेतु मु0रू0- 100000=00 अनुदान एवं बैंक शाखा द्वारा मु0रू0- 150000=00 ऋण के रूप में स्वीकृत कर दि0 12-12-2007 को समूह के खाता में धनराशि हस्तानान्तरित कर दिया गया । कोषाध्यक्ष एवं अध्यक्ष द्वारा समूह के सहमति के अनुसार धनराशि का आहरण कर परिसम्पति स्थापित किया गया । आज उनकी स्थिति पूर्व की अपेक्षा बहुत ही अच्छी है ।समूह के सदस्य खुशहाल है । समय- समय पर बैंक ऋण अदायगी कर रहें है । कम से कम मु0रू0- 2500=00 प्रति माह प्रति सदस्यों द्वारा बचत किया जा रहा है । समूह के सदस्यों में जागरूकता एवं आपसी सामन्जस बना हुआ है । इस समय अब तक उक्त ग्राम में कुल 18 स्वयं सहायता समूहों का गठन हो गया है । शासन द्वारा संचालित स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना उक्त ग्राम में पूर्ण रूप से सफल है ।

SGSY अन्तर्गत स्वंय सहायता समूह - पनरैमा
प्र०ख०- कोटन

स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना अन्तर्गत गठित सिद्धार्थ स्वयं सहा0 समूह सिकरीबखरिया के सफलता की कहानी:-

-:-

भगवान बुद्ध की नगरी जनपद- सिद्धार्थनगर विकास खण्ड लोटनवाजार में लोटन सिकरी मार्ग पर सिकरीबखरिया ग्राम पंचायत स्थित है । ग्राम पंचायत सिकरी बखरिया में 169कुल वी0पी0एल0 परिवार के लोग निवास करते है । ग्राम में स्वरोजगार के साधन न होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति एवं रहन सहन बहुत ही खराब रहा है ।ग्राम में स्वरोजगार के साधन न होने के कारण लोग शहर की ओर रोजगार हेतु पलायित होते रहे । ग्राम विकास अधिकारी द्वारा स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना के सम्बन्ध में ग्राम पंचायत सिकरीबखरिया की एक बैठक प्रा0 वि0 सिकरी पर दि0 02-01-2002 को बुलायी गयी । बैठक में ग्राम के अधिकांशतः लोग उपस्थित हुए । उपस्थित सदस्यों को ग्राम विकास अधिकारी द्वारा योजना के सम्बन्ध में विस्तार से बताया गया । योजना के सम्बन्ध में जानकारी होने के उपरान्त बैठक की तिथि दि0 02-01-02 को सिद्धार्थ स्वयं सहा0 समूह सिकरीबखरिया का गठन किया गया । जिसमें कुल सदस्यों की संख्या-13 है । समूह के सदस्यों में से सदस्यों की सहमति से श्री भोला को अध्यक्ष एवं श्री रामप्रसाद को कोषाध्यक्ष चुना गया । समूह गठन के उपरान्त अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद नाम से समूह का भा0 स्टेट बैंक सिकरीबखरिया में दि0 5-1-02 को खाता सं0- 2590 खोला गया । समूह द्वारा खोले गये खाता में सदस्यों द्वारा 20=00 प्रति माह प्रति सदस्य द्वारा जमा किया जाता रहा । समूह के सदस्यों में कुल 6 अनु0 जाति एवं 7 सामान्य जाति के लोग सम्मिलित है । समूह द्वारा जमा की जाने वाली धनराशि में से आवश्यकतानुसार कार्यवाही के माध्यम से आप में लेन-देन करते रहे ।समूह द्वारा दी गयी धनराशि की अदायगी ब्याज सहित समय-समय पर समूह के सदस्यों द्वारा जमा किया जाता रहा है । दि0 26-6-02 को समूह का प्रथम ग्रेडिंग किया गया । प्रथम ग्रेडिंग के उपरान्त विकास खण्ड द्वारा मु0रू0- 10000=00 रिवाल्विंग फण्ड एवं 15000=00 बैंक शाखा द्वारा कुल 25000=00 रू0 का कैश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत किया गया । समूह के सदस्यों द्वारा प्राप्त धनराशि से छोटे- छोट ब्यवसाय करने लगे ।आपसी तालमेल एवं सामन्जस के माध्यम से समय-समय पर अर्जित धनराशि को खाता में ब्याज सहित जमा करते रहे । समूह को इससे 1000=00रू0 की आमदनी प्रति माह होने लगी ।

दि0 11-10-2004 को द्वितीय ग्रेडिंग समूह का किया गया । जिसमें ए श्रेणी समूह को प्राप्त हुआ ।द्वितीय ग्रेडिंग हो जाने के उपरान्त समूह द्वारा चयनित डेयरी/भैसपालन हेतु सदस्यों की सहमति से ऋण पत्रावली तैयार कराकर दि0 21-7-2005 को पत्रावली शाखा प्रबन्धक, भा0 स्टेट बैंक सिकरीबखरिया को प्रेषित किया गया । समूह के ऋण पत्रावली के निस्तारण हेतु मु0रू0- 125000=00 अनुदान एवं बैंक शाखा द्वारा मु0रू0- 125000=00 ऋण के रूप में स्वीकृत कर समूह के ए.टी.एल. खाता सं0- 0157200 2590 में धनराशि अन्तरित कर दिया गया । कोषाध्यक्ष एवं अध्यक्ष द्वारा सदस्यों के सहमति के अनुसार धनराशि का आहरण कर परिसम्पति स्थापित किया गया आज उनकी स्थिति पूर्व की अपेक्षा बहुत ही अच्छा है । सभी समूह के सदस्य खुशहाल है । समूह के सदस्यों में जागरूकता एवं आपसी सामन्जस बना हुआ है । सभी सदस्य अधिक से अधिक आमदनी करने हेतु प्रयत्नशील है । आज उनकी स्थिति पूर्व की अपेक्षा बहुत अच्छी है । प्रति माह प्रति सदस्य 1000=00 रू0 की आमदनी कर रहे है । इस समय उक्त ग्राम में 6 समूहों का गठन किया जा चुका है । शासन द्वारा संचालित स्वर्णजयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना उक्त ग्राम में पूर्ण रूप से सफल है ।

खण्ड विकास अधिकारी
लोटन बाजार - सिद्धार्थनगर
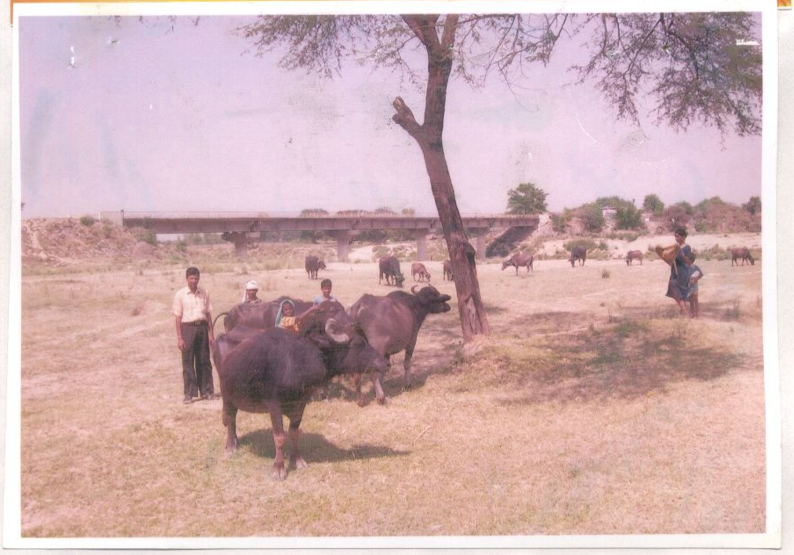
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजनान्तर्गत स्वंम
सहायता समूह ग्राम - सिकरी बरवरिया
वि०ख०- लोटन सिद्धार्थनगर